Total Page No. : 3] [Roll No. .....

M.A. IVth Semester Examination, 2023–24

(समूह क साहित्य)

संस्कृत

Paper : I

(गद्यकाव्य या चम्पू)

Time : 2 : 30 Hours] [**Max. Marks :** 80

नोट :- इस प्रश्न-पत्र में दो खण्ड हैं। खण्ड 'अ' तथा खण्ड 'ब' प्रत्येक से किन्हीं **चार-चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के उत्तर दी गयी उत्तर-पुस्तिका में ही दीजिए। अतिरिक्त उत्तर-पुस्तिका नहीं दी जाएगी।

खण्ड–अ

(लघु उत्तरीय प्रश्न) **4×5=20**

1. दशकुमार चरितम् गद्यकाव्य के पूर्वपीठिका में वर्णित "मगधराज राजहंस वर्णनम्" को लिखिए।
2. नलचम्पू के प्रथम उच्छ्वास की कथासार को लिखिए।
3. दशकुमारचरितम् के प्रथमोच्छ्वास में वर्णित "वसुमती वर्णनम्" को लिखिए।

4. "गद्यपद्यमय काव्य चम्पूरित्यभिधीयते" वाक्य को समझाइए।
5. दशकुमारचरितम् में "आमात्यवर्णनम्" पर प्रकाश डालिए।
6. नलचम्पू में नल कथा एवं महाभारत की नल कथा में अन्तर स्पष्ट कीजिए।
7. "दण्डिनः पदलालित्यम्" उक्ति की व्याख्या कीजिए।
8. दशकुमार चरितम् के तृतीय उच्छ्वास में वर्णित "सोमदत्त द्वारा अपना वृत्तान्त सुनाना" को प्रतिपादित कीजिए।

खण्ड–ब

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) **4×15=60**

9. निम्नलिखित श्लोक की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए :

"ब्रह्ममाण्डच्छत्रदण्डः शतधृतिभवनाम्भोरुहो नालदण्डः
क्षोणीनौकूपदण्डः क्षरदमरसरित्पट्टिकाकेतुदण्डः।"

10. नलचम्पूकार त्रिविक्रमभट्ट के जीवनवृत्त एवं काव्य सौष्ठव पर विस्तृत प्रकाश डालिए।
11. "चम्पू को परिभाषित करते हुए चम्पूकाव्य का उद्भव एवं विकास" को प्रतिपादित कीजिए।
12. दशकुमार चरितम् काव्य के पूर्वपीठिका के द्वितीयोच्छ्वास में "राजवाहनमातङ्ग यात्रा वर्णन" को प्रतिपादित कीजिए।
13. आचार्य दण्डी के जीवन वृत्त पर प्रकाश डालिए एवं काव्य सौष्ठवं को समझाइए।

14. निम्नलिखित श्लोक की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए–

"जयतिगिरिसुतायाः कामसन्तापवह्नि–

न्यूरसिरसनिषेकश्चान्दनश्चन्द्र मौलिः।

तद नु च विजयन्ते कीर्तिभाजां कवीना-

मसकृदमृतबिन्दुस्यन्दिनो वाग्विलासाः॥"

15. राजा नल के जीवन चरित्र पर विस्तृत प्रकाश डालिए।

16. पद्य साहित्य की ऐतिहासिक परम्परा के आचार्यों का परिचय उनकी रचनाओं सहित लिखिए।

****